

एम0 ए0 योग
(MA-Yoga
Semester
प्रश्न पत्र-द्वितीय (MY-602)
प्राकृतिक चिकित्सा (Naturopathy)

(कुल अंक - 100)

(70 अंक लिखित परीक्षा एवं 30 अंक सत्रीय कार्य)

ब्लाक 1. प्राकृतिक चिकित्सा का अर्थ, इतिहास एवं सिद्धान्त

- इकाई - 1. प्राकृतिक चिकित्सा का अर्थ, परिभाषा, प्रादुर्भाव एवं विकास
- इकाई - 2. प्राकृतिक चिकित्सा के मूलभूत सिद्धान्त
- इकाई - 3. पंच महाभूत एवं महत तत्व का परिचय

ब्लाक 2. स्वास्थ्य रोग एवं निदान विधियाँ

- इकाई - 4. स्वास्थ्य एवं रोग की अवधारणा
- इकाई - 5. विजातीय द्रव्य का सिद्धान्त
- इकाई - 6. शारीरिक-मानसिक एवं आध्यात्मिक रोगों की अवधारणा
- इकाई - 7. निदान की विविध विधियाँ

ब्लाक 3. प्राकृतिक चिकित्सा की उपचार विधियाँ

- इकाई - 8. जल चिकित्सा में प्रयुक्त विविध पद्धतियाँ
- इकाई - 9. अग्नि तत्व की विभिन्न रोगों में प्रयुक्त विधियाँ
- इकाई - 10. उपवास के सिद्धान्त, महत्व, उपवास के प्रकार एवं सावधानियाँ
- इकाई - 11. मिट्टी के प्रकार- महत्व एवं विभिन्न रोगों में उसका प्रयोग

ब्लाक 4. प्राण चिकित्सा तथा प्रतिरोधक क्षमता

- इकाई - 12. प्राण शक्ति की अवधारणा, स्रोत एवं सिद्धान्त
- इकाई - 13. प्राण चिकित्सा की सीमा, लाभ व सावधानियाँ
- इकाई - 14. प्राण-ऊर्जा एवं प्रतिरोधक क्षमता का सम्बन्ध एवं रोगोपचार
- इकाई - 15. प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय

ब्लाक 5. अभ्यंग चिकित्सा

- इकाई - 16. अभ्यंग चिकित्सा का अर्थ-परिभाषा, सिद्धान्त व उपयोग
- इकाई - 17. अभ्यंग की विधियाँ व अभ्यंग में प्रयुक्त तेल
- इकाई - 18. विभिन्न रोगों में अभ्यंग का प्रयोग एवं सावधानियाँ

ब्लाक 6. एनिमा

- इकाई - 19. एनिमा की विधि एवं परिचय
- इकाई - 20. एनिमा में प्रयुक्त होने वाले पानी व तेल
- इकाई - 21. विविध रोगों में एनिमा का प्रयोग एवं सावधानियाँ